328

CRLC–03

June – Examination 2020

Certificate in Rajasthani Language and Culture Examination

राजस्थानी संस्कृति एवं परम्पराएँ

Paper : CRLC-03

*Time : **3** Hours*] [*Maximum Marks : **100***

निर्देश :- ओ पेपर तीन खंडां 'अ', 'ब' और 'स' में बंट्योड़ौ है। खंड-'अ' में साव छोटा सवाल, खंड 'ब' में छोटा सवाल अर खंड 'स' में मोटा सवाल दियौड़ा है। हरेक के आगे दियौड़ा निर्देशां मुजब आपरा पडूत्तर लिखो।

खण्ड—अ **10×2=20**

(साव छोटा सवाल)

निर्देश :- इण खंड रे दियौड़ा सगळां सवालां रो उत्तर देवणौ जरूरी है। सबद सीमा एक सबद, एक वाक्य अर घणखरा **30** सबद है

1. (i) 'राजस्थान' सबद सै सूं पैलां कुण राख्यौ।

   (ii) 'उम्मेद भवन' अर 'बाल समंद' राजस्थान रै किण नगर में स्थित है ?

   (iii) 'बणी ठणी' किण चित्रशैली रौ प्रसिद्ध चित्र है ?

(iv) किण लोक देवता री फड़ सै सूं लम्बी है ?

(v) राजस्थान रे किण लोक देवता नै 'लछमण रो अवतार' मानीजै ?

(vi) 'औदक दुरग' रौ आप कांई अरथाव करौ।

(vii) 'कुंभलगढ़ दुरग' रो निरमाण किण मेवाड़ महाराणा करवायौ ?

(viii) राजस्थान रां किण अंचल री हवेलियां रा 'भित्ति चित्र' घणा प्रसिद्ध है ?

(ix) 'पिछवाइयां' किण चित्र शैली री मौलिक देन है ?

(x) हिन्दू धरम में 'कमल' किण देवी रे प्रतीक रे रूप में पुज्यो जावै ?

खण्ड—ब **4×10=40**

(छोटा सवाल)

निर्देश :- नीचे लिख्यां सवाला मांय सूं कोई **चार** सवालां रौ पडूत्तर दिरावो, सबद सीमा **200** सबद है।

2. लोक देवता गोगाजी री गाथा रो कथानक संक्षेप में लिखो।

3. राजस्थानी लोक पर्व 'गणगौर' बाबत संक्षिप्त जाणकारी करावौ।

4. चौहान वंश री कुल देवी 'जीणमाता' री कथा बाबत जाणकारी संक्षेप में उजागर करो।

5. कामड़ियों के प्रसिद्ध 'तैरह ताली' नृत्य माथे सांतरी टीप लिखो।

6. राजस्थान रे किला अर दुरगा ने किण श्रेणियां में बांट सकां ? इण बाबत श्रेणिया में बांटर राजस्थानी दुरगां-किलां अर गढ़ां रा नाव लिखो।

7. चित्र कला री जग प्रसिद्ध 'नाथ द्वारा शैली' बाबत जाणकारी उजागर करो।

8. सिक्ख धरम रे पवित्र ग्रंथ 'ग्रंथ साहब' बाबत जाणकरी उजागर करो।

9. भील जनजाती रो संक्षिप्त परिचै करावौ।

खण्ड—स **2×20=40**

(मोटा सवाल)

निर्देश :- नीचै लिख्यां सवालां माय सूं किणी दोय सवालां रौ पडूत्तर **500** सबदां में दिरावो।

10. राजस्थान री साहित्यिक परम्परा सूं जुड़ी जाणकारी विस्तार सूं वरणित करौ।

11. राजस्थान रा लोक देवतावां रा मेळां री जाणकारी करावौ।

12. राजस्थानी मंदिर स्थापत्य कला बाबत विस्तृत जाणकारी करावौ।

13. हिन्दू धरम रै धार्मिक प्रतीकां री जाणकारी करावौ।